VISION IAS

www.visionias.in

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1417)

Name of Candidate	Bharti Meena		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	
Center		Date	24/12/2020

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बीस प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar Delhi- 110009

Scanned with CamScanner

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ मत लिखें)

1. Dadabhai Naoroji left an indelible imprint on the national movement. Explain.
दादाभाई नौरोजी ने राष्ट्रीय आंदोलन पर एक अमिट छाप छोड़ी। स्पष्ट कीजिए। (150 words) 10

दादाभाई नौरोजी आरंभिक राष्ट्रवाद उदय के समय के प्रसिद्ध नेता थे। उनके प्रयासों से देश में 'राष्ट्रवाद' की भावना प्रबल होने लगी।

दादाभाई नौरोजी उदारवादी या नरमपंथ के नेता थे। ये दया-याचना, याचिका, प्रार्थना, सभा के माध्यम से ब्रिटिश सरकार व जनता का ध्यान अपनी माँगों की तरफ करना चाहते थे।

दादाभाई उन प्रारंभिक नेताओं में से थे जिन्होंने 'धनबहिर्गमन सिद्धांत' दिया। उन्होंने अपनी पुस्तक ~~'पॉवर्टी ऑफ इण्डिया'~~ 'पॉवर्टी एण्ड अनब्रिटिश रूल इन इण्डिया' में इस सिद्धांत को दिया। इनके साथ रमेश चंद्र दत्त, गोपाल कृष्ण गोखले आदि प्रमुख थे — उन्होंने बताया कि कैसे भारत का पैसा कच्चे

Scanned with CamScanner

माल, ब्रिटिश कर्मचारियों के वेतन-भत्ते के रूप में भारत से बाहर जाता है और वापस भारत में निवेश करके लाभ कमाया जाता है।

ii) इन्होंने बताया कि भारत की गरीबी व दुर्दशा का कारण ब्रिटिश औपनिवेशिक नीतियाँ हैं।

iii) रेल्वे का विकास ब्रिटिश सरकार के हित के लिए है।

iv) हस्तशिल्प उद्योगों का पतन - अनौद्योगीकरण

v) मुक्त व्यापार की नीति का वास्तविक अर्थ।

vi) लोगों को राजनीतिक शिक्षा व जागरूक बनाया।

उपर्युक्त विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि दादाभाई नौरोजी उन प्रारंभिक नेताओं में से जिन्होंने ब्रिटिश औपनिवेशिक नीतियों की वास्तविकता भारत के सामने रखी और 'आर्थिक राष्ट्रवाद' के विकास में योगदान दिया जो आगे चलकर स्वतंत्रता आंदोलन का आधार बना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ मत लिखें)

2. The Quit India movement marked a new direction in the struggle against the British colonial rule in India. Analyse. (150 words) 10
भारत छोड़ो आंदोलन ने भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध संघर्ष में एक नई दिशा को चिन्हित किया। विश्लेषण कीजिए।

भारत छोड़ो आंदोलन गांधी जी द्वारा 1942 में शुरू किया। यह द्वितीय विश्व युद्ध जनित आर्थिक कठिनाईयों, क्रिप्स मिशन व अगस्त मिशन की असफलता व दक्षिण पूर्व एशिया में ब्रिटिशों के जाने के बाद वहाँ की दुर्दशा तथा जापानी आक्रमण की संभावना के बाद शुरू किया गया।

यह अन्य आंदोलनों से काफी अर्थों में भिन्न है —

i) यह एक स्वतः स्फूर्त आंदोलन था। अन्य आंदोलनों में गांधी जी या किसी प्रमुख द्वारा आंदोलन की रूपरेखा बनाई जाती थी, इसमें ऐसा नहीं था।

ii) इसमें गाँधी जी 'करो या मरो' का नारा दिया अर्थात् आंशिक रूप से हिंसा को स्वीकारा।

Scanned with CamScanner

iii) इसमें गांधी जी ने सेना को छोड़ने के लिए नहीं बोला बल्कि भारतीयों पर गोली न चलाने के लिए कहा।

iv) सरकारी नौकरी न छोड़कर भारतीयों के प्रति निष्ठा।

v) किसानों को जमींदार विरुद्ध व सहयोगी होने के निर्देश दिए।

~~उपर्युक्त विश्लेष~~

vi) इस आंदोलन में अनेक समानांतर सरकारें का निर्माण हुआ जैसे बलिया में चित्तू पांडे के नेतृत्व में, सतारा में नाना साहब के नेतृत्व आदि में।

उपर्युक्त विश्लेषण से स्पष्ट है कि इस आंदोलन में गांधी जी का एक अलग रूप नज़र आता है और यह स्वतंत्रता संग्राम का चरम रूप तथा राष्ट्रवादी भावना से ओत-प्रोत था जिसने स्वतंत्रता का मार्ग प्रशस्त किया।

Scanned with CamScanner

anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. The end of World War II marked the birth of a new international order. Examine. (150 words) 10

द्वितीय विश्व युद्ध के अंत ने एक नई अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को जन्म दिया। परीक्षण कीजिए।

द्वितीय विश्वयुद्ध विभिन्न महाशक्तियों के बीच अपने - अपने हितों को लेकर लड़ा गया है। इसमें इन शक्तियों का उपनिवेशी चेहरा सबके सामने आया।

इससे नई अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था का जन्म हुआ —

i) ब्रिटेन का पतन हुआ और उपनिवेशों में स्वतंत्रता की मांग जोर पकड़ने के फलस्वरूप अनेक उपनिवेशों को स्वतंत्रता प्राप्त हुई जैसे - एशिया - अफ्रीका में।

ii) अमेरिका व सोवियत रूस दो विश्व शक्ति के रूप में उभरें।

iii) इनके बीच शीतयुद्ध की अवधारणा विकसित हुई।

iv) गुटवादी राजनीति विकसित हुई।

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

vi) 'संयुक्त राष्ट्र' संस्था का विकास हुआ।

vii) नव स्वतंत्र देशों में किसी गुट में शामिल होने से मना कर दिया और ~~गुटबाजी आर~~ गुटनिरपेक्ष आंदोलन चलाया।

viii) ~~शि-शस्त्रीकरण~~ शस्त्रीकरण व परमाणु हथियारों को बढ़ावा मिला।

viii) नव स्वतंत्र देशों द्वारा परमाणु हथियारों का निषेध तथा रंगभेद की नीति का विरोध किया गया।

उपर्युक्त विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि द्वितीय विश्वयुद्ध ने अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को बदल कर रख दिया।

4. The Simla Agreement (1972) and Lahore Declaration (1999) are two key milestones in the history of the Indian subcontinent. Discuss.

(150 words) 10

शिमला समझौता (1972) और लाहौर घोषणा-पत्र (1999) भारतीय उपमहाद्वीप के इतिहास में दो महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं। चर्चा कीजिए।

शिमला समझौता (1972) व लाहौर घोषणा-पत्र (1999) भारतीय उपमहाद्वीप में दो प्रमुख देशों भारत व पाकिस्तान के मध्य हुयें।

शिमला समझौता (1972) में भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी व पाकिस्तानी प्रधानमंत्री जुल्फीकार भुट्टो के बीच हुआ। इसमें जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर समझौता हुआ और दोनों देशों के मध्य शांति, सहयोग व द्विपक्षीय वार्ता पर सहमति बनी। यहाँ से भारत-पाकिस्तान के बीच सहयोग का रास्ता आया।

इसी प्रकार, लाहौर घोषणा

पत्र (1999) में शिमला घोषणा पत्र की बातों को दोहराया गया और दोनों देशों के मध्य शांति, सहयोग व द्विपक्षीय संबंध बनाने पर बल दिया। साथ ही अल्पसंख्यक के हितों पर ध्यान देने की बात कही।

अतः, स्पष्ट है कि उपरोक्त दोनों समझौता भारत-पाकिस्तान के कटु संबंधों को मधुर बनाने की दिशा में सराहनीय कदम थे।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. Social security should not only involve economic empowerment but also social empowerment. Discuss in the context of India. (150 words) 10
सामाजिक सुरक्षा में न केवल आर्थिक सशक्तीकरण अपितु सामाजिक सशक्तीकरण भी सम्मिलित होना चाहिए। भारत के संदर्भ में चर्चा कीजिए।

सामाजिक सुरक्षा से आशय सरकार द्वारा दी जाने वाली पेंशन, बीमा आदि से है जो कर्मचारियों के रोज़गार विहीन दिनों या बुढ़ापे में उनकी मदद करती है।

सामाजिक सुरक्षा से आर्थिक सशक्तीकरण मजबूत होता है —

i) जब व्यक्ति के पास कोई रोज़गार का विकल्प नहीं होगा तो सामाजिक सुरक्षा के रूप में प्राप्त राशि उसकी आर्थिक जरूरतों को पूरा करती है। जीवन सुरक्षा योजना जीवन ज्योति योजना

ii) बुढ़ापे में एक सहारा बनती है ताकि वृद्ध जनों की आवश्यकताओं के लिए किसी पर निर्भर न बने जैसे अटल पेंशन योजना, वयोश्री योजना आदि।

Scanned with CamScanner

सामाजिक सशक्तीकरण को भी मजबूत करती है—

i) वृद्धावस्था में किसी पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं है।

ii) महिलाओं के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

iii) समाज के वंचित वर्गों के सशक्तीकरण में आवश्यक है।

अतः स्पष्ट है कि सामाजिक सुरक्षा न केवल आर्थिक सशक्तीकरण बल्कि सामाजिक सशक्तीकरण को भी मजबूत करती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ मत लिखें)

6. Explain with examples how globalisation is manifested in both local in the global and the global in the local. (150 words) 10
उदाहरण देते हुए स्पष्ट कीजिए कि वैश्वीकरण वैश्विक में स्थानीय और स्थानीय में वैश्विक, दोनों में किस प्रकार प्रकट होता है।

वैश्वीकरण का आशय उस व्यवस्था से है जिसमें पूरा विश्व एक गाँव बन कर 'ग्लोबल विलेज' की अवधारणा को साकार कर रहा है। इसमें विभिन्न देशों के बीच भौतिक दूरी, मानसिक दूरी भाषा अंतराल आदि को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

वैश्वीकरण वैश्विक में स्थानीय रूप से प्रकट होता है अर्थात् विश्व में स्थानीय चीजों, संस्कृति, भाषा, पहनावे को देखा जा सकता है जैसे- आजकल एथेनिक ट्रेन, एंथेनिक इटालियन फूड का चलन बढ़ रहा है। भारत के संदर्भ में फूड, चाइनीज नूडल्स, भोजपुरी भाषा विश्व के लगभग हर क्षेत्र में मिल जाते हैं जो अपनी संस्कृति का प्रचार करते हैं। — भारत का योगा

Scanned with CamScanner

Don't write anything in this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इसी प्रकार, वैश्वीकरण स्थानीय में वैश्विक रूप में प्रकट होता है जैसे- आजकल भारत में पश्चिमी सभ्यता का चलन देखने को मिलता है - लेट नाइट कल्चर, पार्टी कल्चर, न्यूक्लियर फैमिली आदि। पश्चिमी ड्रेस, अंग्रेजी भाषा व मंडारिन भाषा आज विभिन्न देशों के स्थानीय निवासी सीख रहे हैं।

अतः, स्पष्ट है कि वैश्वीकरण वैश्विक में स्थानीय और स्थानीय में वैश्विक दोनों रूपों में प्रकट होता है।

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. In light of persistence of various forms of violence against women in India, discuss the ways in which the issue can be addressed effectively. (150 words) 10

भारत में महिलाओं के विरूद्ध हिंसा के विभिन्न रूपों की विद्यमानता के आलोक में, उन उपायों की विवेचना कीजिए जिनसे इस मुद्दे का प्रभावी ढंग से समाधान किया जा सकता है।

घरेलू हिंसा भारतीय समाज का एक प्रमुख मुद्दा है जो वर्षों से चला आ रहा है। यह पुरुषवादी सोच को प्रदर्शित करती है।

भारत में महिलाओं के विरुद्ध हिंसा विभिन्न रूपों में दिखती है —

i) शारीरिक हिंसा
ii) मानसिक हिंसा
iii) भावनात्मक हिंसा
iv) मौखिक हिंसा
v) यौन हिंसा

भारत में हर 5 में से एक महिला हिंसा के इन रूपों में से किसी एक की शिकार होती है जिससे उसका जीवन एक 'वस्तु' की तरह हो जाता है।

इसके लिए सरकार ने 'घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005' अधिनियमित किया है जो महिलाओं को सुरक्षा प्रदान

Scanned with CamScanner

Don't write anything in the margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कृत्य है साथ ही हाल ही में इसमें संशोधन किया गया है जिसमें —

i) ~~यदि~~ परिवार की किसी भी महिलाओं को शामिल किया गया

ii) परिवार में पति के अलावा अन्य पुरुषों पर भी भत्ता देने का अधिकार होगा

iii) लिव-इन रिलेशनशिप में भी लागू होगा।

- इसी प्रकार कार्यस्थल पर यौन शोषण के विरुद्ध अधिकार 2013 अधिनियमित है

- साथ ही महिलाओं को जागरुक करने की ज़रूरत है।

- उन्हें अपने अधिकारों के बारे में बताया जाना चाहिए।

उपर्युक्त के द्वारा महिलाओं के विरुद्ध हिंसा को कम किया जा सकता है।

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. What is an urban forest? Highlight its benefits and steps taken by the government to promote urban forestry in India. (150 words) 10
शहरी वन क्या हैं? इनके लाभों और भारत में शहरी वानिकी को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर प्रकाश डालिए।

शहरी वन से तात्पर्य है कि जो शहर के आस-पास खाली पड़ी भूमि पर लगाए जाए, साथ ही रेलवे ट्रैक के चारो ओर, सड़क फुटपाथ की बगल में, डिवाइडर पर लगाए जाने वाले वृक्षों से है।

लाभ :-

i) डिवाइडर पर लगाने से वाहनों द्वारा किए गये प्रदूषण को कम किया जा होगा।

ii) 'अर्बन आइलैण्ड' के कारण शहर का तापमान आस-पास की तुलना में अधिक हो जाता। इसको संतुलित करने में मदद मिलेगी।

iii) स्वच्छ जलवायु नागरिकों को प्राप्त होती है।

iv) वायु प्रदूषण कम होगा।

v) नागरिकों के स्वास्थ्य में वृद्धि होगी

Scanned with CamScanner

Don't write anything in margin
(इस भाग में कुछ का लिखें)

शहरी वानिकी को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा उठाये गये कदम →

i) सरकार ने इन वनों को वन क्षेत्र में शामिल किया है जो हाल ही में प्रकाशित वन सर्वेक्षण रिपोर्ट में उल्लेखित है।

ii) डिवाइडर पर ऐसे वृक्षों को लगाया है जो कम पानी व प्रतिकूल स्थिति में भी रह सके। साथ ही हर डिवाइडर पर वृक्ष लगाना अनिवार्य है।

iii) सामुदायिक वानिकी को प्रोत्साहन।

अतः, स्पष्ट है कि शहरी वन से प्रदूषण को कम करने में और जलवायु परिवर्तन की गति को धीमा करने में मदद मिलेगा।

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. How has globalization impacted the location of the IT industry?

वैश्वीकरण ने IT उद्योग की अवस्थिति को किस प्रकार प्रभावित किया है? (150 words) 10

IT उद्योग तेजी से उभरता उद्योग क्षेत्र है जिसमें निवेश व विकास की अपार संभावना है। इससे देश का विकास ~~संभव है~~ होगा।

वैश्वीकरण ने आज हर क्षेत्र को प्रभावित किया है। उसका प्रभाव IT उद्योग पर भी पड़ा है—

(i) IT उद्योग महानगरीय परिधीय क्षेत्रों में लगाए जाते हैं—

(ii) इनमें प्रयुक्त कच्चा माल व तैयार माल का हल्का होता है। अतः इसे आसानी से महानगर में लगाया जा सकता है।

(iii) यहाँ श्रम सस्ता व कुशल मिलता है।

(iv) भूमि अधिग्रहण करना सुगम होता है।

Scanned with CamScanner

iv) यहाँ अनेक विदेशी कम्पनियों के निवेश के लिए अनेक प्रोत्साहन उपलब्ध होते हैं।

v) यहां से सीधे ही माल को निर्यात किया जा सकता है।

अतः स्पष्ट है कि वैश्वीकरण ने IT उद्योग की संभावनाओं में वृद्धि की है।

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. How can eco-tourism be used to sustainably harness the potential of tourism industry in India? Discuss the challenges and steps taken by the government in this context. (150 words) 10

भारत में पर्यटन उद्योग की क्षमता का संधारणीय रूप से दोहन करने हेतु पारिस्थितिकीय पर्यटन का कैसे उपयोग किया जा सकता है? इससे जुड़ी चुनौतियों और इस संदर्भ में सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की विवेचना कीजिए।

पर्यटन उद्योग के द्वारा हमें विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है साथ ही अपनी विरासत को संरक्षित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन होता है।

यथातथ्य है कि भारत ने अपनी पर्यटन उद्योग की क्षमता का पूर्ण रूप से दोहन नहीं किया है। अब भी इसका विकास किया जा सकता है।

पारिस्थितिकी पर्यटन :-

i) तटीय क्षेत्रों पर आधारभूत संरचना का निर्माण करके जैसे - चलायमान टॉयलेट, रेस्तरां, होटल आदि ताकि पर्यटकों को सुविधा हो।

ii) मैंग्रोव वनों तक जाने का मार्ग सुगम बनाकर

iii) कोरल रीफ क्षेत्रों की पहचान कर वहाँ जाने की अनुमति

iv) आर्द्रभूमि पर्यटन

v) समुद्रों के अंदर जाने के लिए उपयुक्त नाव व जहाज की व्यवस्था।

<u>चुनौती</u> ⇒

i) प्रदूषण की समस्या

ii) कोरल ब्लीचिंग

iii) संसाधनों का अतिशय दोहन

iv) अवैध मत्स्य पालन

<u>सरकार द्वारा उठाये गये कदम</u> ⇒

i) हाल ही में CRZ अधिनियम के तहत अवसंरचना के निर्माण की छूट दी है।

ii) विदेश पर्यटन मंत्रालय द्वारा स्वदेश परियोजना

iii) अवैध मत्स्यन पर रोक आदि

अतः, स्पष्ट है कि उपर्युक्त के द्वारा हम अपने पर्यटन उद्योग की क्षमता का संधारणीय विकास कर सकते हैं।

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. The advent of Buddhism and Jainism was instrumental in the development of architecture in ancient India. Discuss. (250 words) 15

प्राचीन भारत में स्थापत्य कला के विकास में बौद्ध धर्म और जैन धर्म का उद्भव सहायक रहा। चर्चा कीजिए।

स्थापत्य कला भारतीय इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। प्राचीन काल के पुरापाषाण काल से ही इसके प्रमाण प्राप्त हुये है जैसे - भीमबेटका गुफा में। बौद्ध धर्म व जैन धर्म ने भी स्थापत्य कला के विकास में सहायता की।

बौद्ध काल अर्थात 600BC के पश्चात 'बौद्ध स्तूप' के निर्माण के रूप में स्थापत्य कला का विकास हुआ ये स्तूप — अर्धवृत्ताकार होते थे; इनके ऊपर तीन छत्र जो श्रद्धा, समानता, उदारता के प्रतीक थे; हर्मिका जो सब से पवित्र भाग होती थी; अण्ड के चारो ओर प्रदक्षिणापथ होता था तथा एक तोरण होता था।

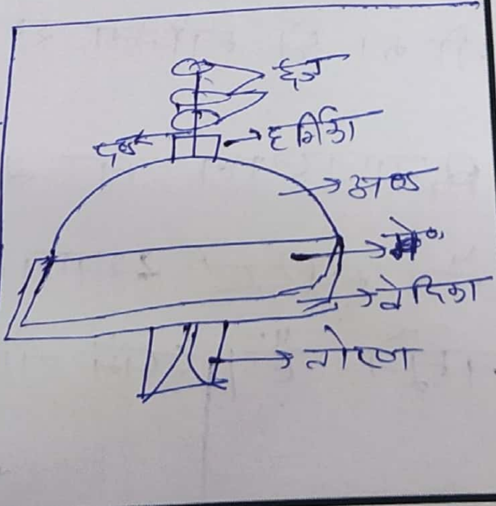

बौद्ध धर्म के फलस्वरूप अनेक चैत्य (पूजा स्थल), बिहार (निवास स्थान) का निर्माण हुआ।

- सांची का स्तूप, सारनाथ का स्तूप अशोक द्वारा बनवाये गये
- पिपरहवा स्तूप भी महत्वपूर्ण है।
- सातवाहन व इक्ष्वाकु वंश द्वारा नागार्जुनीकोण्डा बौद्ध स्तूप का निर्माण हुआ।

इसी प्रकार, जैन धर्म के शासकों के द्वारा भी अनेक मंदिर चैत्य व विहारों का निर्माण करवाया गया :-

i) उदयगिरी - खण्डगिरी के पहाड़ी पर राजा खारवैल' द्वारा बनाए गये बिहार जैन धर्म का उत्कृष्ट उदाहरण है (हाथीगुम्फा अभिलेख, रानी का दो मंजिला इमारतें)

ii) राजस्थान में बनाए गए 'दिलवाड़ा जैन मंदिर' स्थापत्य कला के उत्कृष्ट नमूने हैं। इसमें नौ ग्रहों की आकृति का

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

सुंदर अंकन मिलता है।

इनके उपरांत भी अनेक अनुयायियों द्वारा अनेक स्तूपों व मंदिरों का निर्माण करवाया गया।

अतः कहा जा सकता है कि बौद्ध धर्म व जैन धर्म स्थापत्य कला की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं और हमारी विरासत को संरक्षित व परिवर्धित करने में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं।

Scanned with CamScanner

12. The reactionary policies of Lord Lytton and the liberal policies of his successor Lord Rippon acted as catalyst in the formation of the Indian National Congress. Discuss. (250 words) 15

लॉर्ड लिटन की प्रतिक्रियावादी नीतियों और उसके उत्तराधिकारी लॉर्ड रिपन की उदार नीतियों ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के गठन में उत्प्रेरक का कार्य किया। चर्चा कीजिए।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का गठन 1885 में व विदेशी अधिकारी 'ए.ओ. ह्यूम' के प्रयासों के कारण हुआ। इसके गठन में अनेक कारणों व नीतियों का योगदान है।

लॉर्ड लिटन एक प्रतिक्रियावादी ब्रिटिश गवर्नर जनरल था। उसने निम्न नीतियाँ बनाईं —

i) भारतीय सिविल सेवा में प्रवेश की आयु 21 से घटाकर 19 कर दी गई।

ii) जब सम्पूर्ण दक्षिण भारत में अकाल पड़ रहा था तब मुम्बई में ब्रिटिश राजकुमार के आने पर भव्य दरबार का आयोजन हो रहा था।

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

iii) लॉर्ड लिटन ने प्रेस पर अनेक प्रतिबंध लगाए जैसे कि प्रकाशन से पूर्व प्रति भेजना।

लॉर्ड रिपन की उदार नीति ⇒

i) लॉर्ड रिपन ने एक नीति बनाई जिसमें भारतीयों न्यायधीशों को अधिकार दिया कि वे ब्रिटिश अधिकारियों के मामले की जाँच कर निर्णय दे सकते हैं। इसे 'इल्बर्ट बिल विवाद' कहा जाता है। पर इस घटना का पूरे यूरोपियन ने विरोध किया जिससे यह हटाना पड़ा। इससे काले-गोरे का भेद स्पष्ट हो गया।

लिटन की नीतियों से ब्रिटिश औपनिवेशिक स्वरूप उजागर होने लगा और आरंभिक राष्ट्रवादियों द्वारा महसूस किया जाने लगा कि एक ऐसी संस्था होनी चाहिए जो भारतीयों के हितों को

उठा सके, उनके हितों के लिए लड़ सके और अपना पक्ष रख सकें।

इसी क्रम में ए.ओ. ह्यूम के नेतृत्व में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का गठन हुआ जिसने कुछ लोगों ने सेफ्टी वॉल्व, तड़ित चालक की संज्ञा दी। परन्तु, यह सत्य नहीं है।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस राष्ट्रवादी भावना के कारण गठित हुई जिसने देश की स्वतंत्रता में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ मत लिखें)

13. Gandhiji changed his methods of struggle against the British from time-to-time to suit the varied circumstances and problems that needed to be tackled. Analyse. (250 words) 15

गांधी जी ने विभिन्न परिस्थितियों और समस्याओं जिनसे निपटने की आवश्यकता थी, के अनुकूल समय-समय पर अंग्रेजों के विरूद्ध संघर्ष की अपनी विधियों में परिवर्तन किया। विश्लेषण कीजिए।

गांधी जी आधुनिक काल में एक महान आंदोलनकारी व नेतृत्वकारी के रूप में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं जिनके अहिंसा, सत्याग्रह सर्वोदय के सिद्धांतों द्वारा भारत को आजादी दिलाई।

उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों के विरूद्ध अनेक नीतियों / विधियों को अपनाया —

i) सबसे पहले उन्होंने चम्पारण सत्याग्रह (1917), अहमदाबाद हड़ताल (1918), बारदोली सत्याग्रह में क्रमश: सविनय अवज्ञा आंदोलन, भूख हड़ताल व असहयोग की क्रियाविधि को अपना / प्रयोग किया।

ii) रौलेट एक्ट के विरूद्ध सत्याग्रह (1919) में उन्होंने 'सत्याग्रह' के सिद्धांत पर बल दिया

Scanned with CamScanner

ताकि अंग्रेजों को आंदोलनकारियों को कुचलने का अवसर न मिले।

iii) असहयोग आंदोलन (1921-22) में उन्होंने खिलाफत आंदोलन को जोड़ा ताकि हिंदू मुस्लिम एकता को बढ़ावा मिल सके तथा इस राजनीतिक निष्क्रियता के दौर में गतिशीलता बनी रहे। इसमें सरकार के साथ असहयोग करना शामिल था।

iv) 'चौरा-चौरी काण्ड' की घटना से उन्होंने सविनय अवज्ञा आंदोलन को आगे बढ़ा दिया ताकि लोग उनके 'अहिंसा' के सिद्धांत को समझ जाए जिससे अंग्रेजों को भारतीयों का दमन करने का अवसर न मिलें।

v) सविनय अवज्ञा आंदोलन (1930-34) में उन्होंने 'नमक' के मुद्दे को आंदोलन का मुद्दा बनाया ताकि यह जन साधारण से जुड़ सकें। इसमें गांधी जी ने सरकार की आज्ञा को मानने से मना किया तथा नमक को कर मुक्त कर भारतीय को स्वशासन देने को कहा।

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

vi) भारत सरकार अधिनियम, 1935 के अनुसार प्रांतीय चुनावों में कांग्रेस को चुनाव लड़ने की अनुमति दी ताकि वे अंग्रेजों का प्रतिरोध विधायिका में कर सकें।

vii) 'भारत छोड़ो आंदोलन' (1942) में तो वे एकदम अलग नजर आते हैं। उन्होंने यहाँ 'करो या मरो' का नारा देकर जनता को स्वयं कार्यवाही करने को कहा। तथा सरकारी सेवकों को त्यागपत्र न देकर भारतीयों के प्रति निष्ठा रखने तथा सेना को भारतीयों पर गोली न चलाने को कहा।

उपर्युक्त विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि गांधी जी की नीतियां व योजना अंग्रेजों के अनुसार परिवर्तित हुई जो अन्ततः भारत को स्वतंत्रता दिलाने में मददगार साबित हुई।

14. Bring out the relationship between the industrial revolution and the advent of imperialism in different parts of the world. (250 words) 15
औद्योगिक क्रांति और विश्व के विभिन्न भागों में साम्राज्यवाद के आरंभ के मध्य संबंधों को स्पष्ट कीजिए।

औद्योगिक क्रांति 18 सदी में यूरोप में हुई एक महत्वपूर्ण घटना थी। इसमें विज्ञान-तकनीक का विकास, मानववाद, तर्कवाद, विज्ञानवाद व मानव क्षमता पर बल दिया गया। इससे नई-नई खोजों व अविष्कारों को बढ़ावा मिला जिससे नए-नए उपकरणों व उद्योगों का विकास हुआ।

सबसे पहले औद्योगिक क्रांति इंग्लैण्ड में हुई। इसके भौगोलिक अवस्थिति, अनुकूल जलवायु, पूंजी अधिशेष, नौसैनिक क्षमता जैसे विभिन्न कारण मौजूद थे।

ध्यातव्य है कि औद्योगिक क्रांति ने साम्राज्यवाद के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

साम्राज्यवाद से तात्पर्य है कि एक देश दूसरे देश की आर्थिक- सामाजिक-

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

राजनीतिक नीतियों पर नियंत्रण कर लेता है तथा अपने हितों के अनुरूप उसे चालित करता है।

औद्योगिक क्रांति में साम्राज्यवाद का योगदान

i) साम्राज्यवाद से पूंजी अधिशेष में वृद्धि हुई जिससे विभिन्न उद्योगों आदि की स्थापना संभव हो सकी।

ii) इन उद्योगों के लिए आवश्यक कच्चा माल व तैयार माल के लिए बाजार के रूप उपनिवेशी देश मौजूद थे।

iii) औद्योगिक क्रांति के फलस्वरूप कोयला उद्योग, लौह उद्योग आदि का विकास हुआ जिसने 'रेलवे के विकास' को संभव बनाया जिससे साम्राज्य के विकास में योगदान हुआ।

iv) रेलवे ने उपनिवेशी देशों के हस्तशिल्प उद्योगों का पतन करके उन्हें अपने उत्पादों पर निर्भर बना दिया।

Scanned with CamScanner

4) औद्योगिक क्रांति के फलस्वरूप 'मुक्त व्यापार की नीति' ने उपनिवेशी देशों में अपनी वस्तुओं को सस्ते मूल्य पर उपलब्ध कराकर निर्भरता में वृद्धि की।

उपर्युक्त विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि औद्योगिक क्रांति के फलस्वरूप यूरोपीय देशों ने एशिया - अफ्रीका को अपने ऊपर निर्भर बनाकर अपने साम्राज्यवाद का विकास किया।

Scanned with CamScanner

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ न लिखें)

15. The caste system in India has continued to persist by adapting itself to a variety of changing socio-economic and political conditions in the past few decades. Discuss. (250 words) 15

भारत में जाति व्यवस्था विगत कुछ दशकों में परिवर्तित होती विभिन्न सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक स्थितियों के अनुरूप अपने आपको ढालकर विद्यमान है। चर्चा कीजिए।

भारत में जाति व्यवस्था सनातन काल से चली आ रही व्यवस्था है जिसे भारत में सामाजिक-आर्थिक रूप से देश का विभाजन किया। औद्योगीकरण, नगरीकरण, मशीनीकरण आदि के कारण इसमें परिवर्तन आया।

हालांकि विगत कुछ दशकों में जाति व्यवस्था में काफी परिवर्तन देखा गया है। इसका कारण संविधान में दलित व पिछड़ी जातियों के लिए किए गए ~~उप~~ उपबंध अनु०-15, 16, 17, इनके लिए अनेक योजनाएँ चलाई जा रही हैं साथ ही अनेक विधियों व आयोग का निर्माण किया गया है जो इनके अधिकारों को देखते हैं जैसे - NCBC, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग आदि

फिर भी, जाति व्यवस्था विभिन्न रूपों में आज भी हमारे जीवन

में मौजूद है —

सामाजिक जीवन में :→

i) भले ही दलित व पिछड़ी जातियों की ~~आर्थिक~~ प्रशासन में स्थिति अब अच्छी दशा में हो, ~~फलस्~~ फिर भी उच्च जाति के मन में अब भी 'मानसिक अस्पृश्यता' विद्यमान है।

ii) शहरों की अपेक्षा यह गाँवों में आज भी मौजूद है।

iii) अन्तर्जातीय विवाह आज भी नगण्य मात्रा में विद्यमान है।

आर्थिक जीवन में :→

i) कुछ दलित जातियों ~~की~~ आर्थिक स्थिति के कुछ हिस्सों की आर्थिक स्थिति अच्छी हुई, शेष ~~तो~~ अब भी दयनीय अवस्था में मौजूद है।

ii) उनका जीवन स्तर उच्च जातियों ~~के~~ की अपेक्षा कम होता है।

राजनीतिक जीवन में :→

Scanned with CamScanner

i) यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें जाति व्यवस्था का उपयोग अपने हितों को साधने में किया जाता है।

ii) आज जाति 'वोट बैंक' के रूप में उभरी हैं।

iii) जाति का राजनीतिकरण कर जीत हासिल की जाती हैं जैसे अजगर (अहीर, जाट, गुज्जर, राजपूत) समूह, social engineering (ब्राह्मण - दलित) आदि।

उपर्युक्त विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि जाति व्यवस्था परिवर्तित स्वरूप में आज भी हमारे समाज में मौजूद है।

16. It is argued by some that regionalism is a threat to national integrity while others consider it as a highly impactful tool in facilitating political participation. Discuss. (250 words) 15

कुछ लोगों द्वारा यह तर्क दिया जाता है कि क्षेत्रवाद राष्ट्रीय अखंडता के लिए एक खतरा है, जबकि अन्य लोग इसे राजनीतिक सहभागिता को सुगम बनाने में एक अति प्रभावशाली साधन मानते हैं। चर्चा कीजिए।

क्षेत्रवाद एक विचारधारा है जिसमें लोगों के समूह द्वारा अपने क्षेत्र, भाषा, पहचान (नृजातीयता) के कारण विशेष लगाव होता है और वे उनके वृद्धि विकास के लिए तत्पर रहते हैं।

स्पष्ट है कि क्षेत्रवाद राष्ट्रीय अखण्डता के लिए खतरे के रूप में मौजूद है क्योंकि —

i) इससे क्षेत्रों का विघटन होता है क्योंकि उस क्षेत्रों के लोगों को डर रहता है कि उनके संसाधनों का दुरुपयोग नहीं किया जा रहा है। इस आधार पर विघटन होता है जैसे - बिहार व झारखण्ड का विघटन।

ii) भाषा के आधार पर भी क्षेत्रीय अखण्डता को बड़ा झटका लगता है। पहले राज्य का गठन (आंध्रप्रदेश) भाषा के आधार

पर ही किया गया।

iii) नृजातीयता के मुद्दे उत्तर-पूर्वी भारत में देखने को मिलते हैं जिनमें असमी-बोडो विवाद, नागा-कुकी विवाद प्रमुख हैं। इसी क्रम में 'ग्रेटर नागालिम' पृथक राज्य के निर्माण की मांग उठती रहती है।

iv) हाल ही में उत्तरप्रदेश के 4 विभाजन की मांग हो रही है - हरितप्रदेश, बुंदेलखण्ड, अवध, पूर्वांचल आदि।

परंतु, कुछ लोग इसे राजनीतिक सहभागिता को सुगम बनाने में अति प्रभावशाली साधन के रूप में देखते हैं क्योंकि-

i) इससे उस क्षेत्र विशेष की विकास की संभावना बढ़ जाती है।

ii) उस क्षेत्र विशेष के लोगों की राजनीति में भागीदारी बढ़ती है जिससे नीति निर्माण में उस प्रदेश के लोगों का प्रतिनिधित्व बढ़ता है। पहले नजरंदाज़ किए गए हिस्से के

प्रतिनिधित्व के कारण इन्हें राजनीति में मौका नहीं मिलता था।

iii) क्षेत्रीय दलों का उद्भव होता है जिससे उनमें राजनीतिक जागृति आती है और अपने हितों का प्रतिनिधित्व करते हैं जैसे झारखण्ड मुक्ति मोर्चा।

iv) उस क्षेत्र विशेष के लोगों को ध्यान में रखकर योजनाएँ व नीतियों का निर्माण होता है जिससे समावेशी विकास को बढ़ावा मिलता है।

कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि क्षेत्रवाद से कुछ लाभ व कुछ हानि है। अतः इस विचारधारा का प्रयोग संतुलित रूप से करने की आवश्यकता है।

Scanned with CamScanner

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. Natural gas has become an important primary energy source and its consumption is projected to increase further. Identify various usages of natural gas and give a brief account of its distribution globally.

(250 words) 15

प्राकृतिक गैस एक महत्वपूर्ण प्राथमिक ऊर्जा स्रोत बन गया है तथा इसके उपभोग में आगे और वृद्धि होने का अनुमान है। प्राकृतिक गैस के विभिन्न उपयोगों की पहचान कीजिए और विश्व स्तर पर इसके वितरण का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

प्राकृतिक गैस पेट्रोलियम के साथ या स्वतंत्र रूप से पाई जाने वाली गैस है। इससे CO_2 का उत्सर्जन अपेक्षाकृत कम मात्रा में होता है। अतः यह पर्यावरण व मानव के लिए कम हानिकारक है।

आज प्राकृतिक गैस का उपयोग हर क्षेत्र में किया जा रहा है जैसे

i) उर्वरक निर्माण में – भारत में HBJ-विजयपुरा पाइपलाइन के माध्यम से उर्वरक का निर्माण किया जाता है।

ii) घरेलू उपयोग में PNG के रूप में।

iii) परिवहन उपयोग में CNG के रूप में।

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

iv) ~~मध्य~~ विद्युत उद्योग में विद्युत का उत्पादन करने में।

v) कोयला व पेट्रोलियम का स्थानापन्न बनती जा रही है।

इस प्रकार हम देखते हैं कि कम अपेक्षाकृत CO_2 उत्सर्जन के कारण प्राकृतिक गैस का उपयोग मानव जीवन के हर क्षेत्र में बढ़ता जा रहा है और आगे बढ़ने की संभावना है।

विश्व स्तर पर प्राकृतिक गैस विभिन्न स्थानों पर पाई जाती है—

i) रूस के सुदूर पूर्वी क्षेत्र में प्राकृतिक गैस प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। हाल ही में, चीन व रूस के मध्य 'पॉवर ऑफ साइबेरिया' नामक पाइपलाइन के माध्यम से चीन को प्राकृतिक गैस उपलब्ध करवाई जायेगी।

ii) मध्यपूर्व एशिया के देशों में प्राकृतिक

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

गैस के विभिन्न भण्डार है जिनका उपयोग किया जा रहा है।

iii) खाड़ी देशों में भी इसकी प्रचुर मात्रा उपलब्ध है।

iv) USA व कनाडा में भी प्राकृतिक गैस पाई जाती है।

अतः, कहा जा सकता है कि प्राकृतिक गैस आज के युग और आने वाले युग का प्रमुख ऊर्जा संसाधन बन चुका है जिसमें ऊर्जा आवश्यकता पूरी करने की क्षमता विद्यमान है।

Scanned with CamScanner

18. Describe the process of rift valley formation, with special emphasis on the Great Rift Valley System. **(250 words) 15**

महान भ्रंश घाटी प्रणाली पर विशेष बल देते हुए, भ्रंश घाटी के निर्माण की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

महान भ्रंश घाटी अफ्रीका के पूर्वी भाग में स्थित है। यह पूर्वी अफ्रीका में उत्तर में इथोपिया से लेकर दक्षिण में मोजाम्बिक तक स्थित है। इसमें विभिन्न झीलें मौजूद हैं।

भ्रंश घाटी के निर्माण की प्रक्रिया

~~i) अपसारी प्लेट सीमांत पर तनावमूलक बल के कारण जब प्लेटें दूर जाती हैं~~

i) तनावमूलक बल के कारण जब प्लेटें एक दूसरे से ऊपर - नीचे खिसकती हैं तो नीचे धंसा हुआ भाग भ्रंश घाटी कहलाता है जबकि ऊपर उठा भाग 'ब्लॉक पर्वत' कहलाता है। जैसे- वासेज पर्वत, ब्लैक फॉरेस्ट

यदि ब्लॉक पर्वत के दोनों ओर घाटियाँ उपस्थित हो तो वे 'ग्रैबेन' कहलाती है तथा पर्वत 'हॉर्स्ट' पर्वत कहलाता है।

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

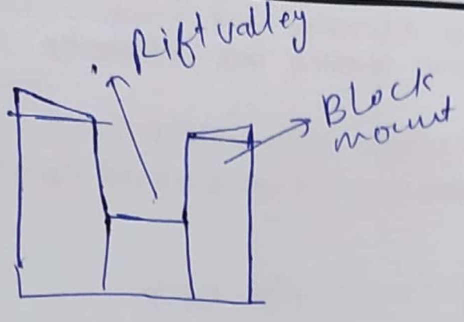

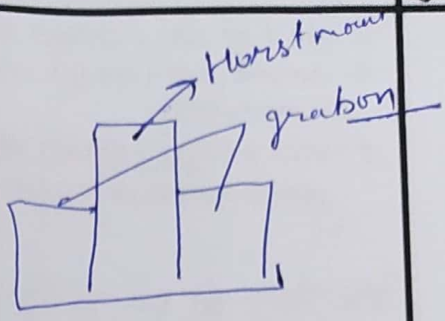

Scanned with CamScanner

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. India's water resources have witnessed rapid depletion due to a mix of economic, geographic, and political factors. Explain and discuss its implications. **(250 words) 15**

भारत के जल संसाधनों में विभिन्न आर्थिक, भौगोलिक और राजनीतिक कारकों के संयोजन के कारण तेजी से ह्रास देखा गया है। स्पष्ट कीजिए एवं इसके निहितार्थों की विवेचना कीजिए।

हाल ही में केंद्रीय भूमि जल बोर्ड द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में 'जल संकट' की इस समस्या उत्पन्न हो गई। यही बात नीति आयोग ने समग्र ~~नीति~~ जल प्रबंधन सूचकांक' में कही।

चूंकि जल एक महत्वपूर्ण संसाधन है। इसका प्रयोग हर क्षेत्र में किया जाता है जैसे - कृषि, विद्युत, उद्योग आदि में। इसके साथ ही इसका दुरुपयोग भी किया जाता है जिससे जल ह्रास में तीव्र वृद्धि हुई है। इसके निम्न कारण मौजूद हैं —

आर्थिक कारण →

i) जल का प्रयोग सबसे अधिक कृषि क्षेत्र में लगभग 85% किया जाता है जिससे बाढ़-

Scanned with CamScanner

सिंचाई ~~अपरिस्थितिमान~~ के कारण 3/4 जल व्यर्थ हो जाता है।

ii) उद्योगों में भी जल का अत्यधिक प्रयोग किया जाता है साथ ही ये प्रदूषण में वृद्धि करते हैं।

iii) ~~जल~~ विद्युत के निर्माण में जल का प्रयोग किया जाता है।

iv) इस पर चार्ज नहीं लगाया जाता।

भौगोलिक कारण →

i) वर्षा की अनियमितता के कारण कुछ क्षेत्र सूखा ही रहता है जिससे जल ह्रास में और वृद्धि होती है।

ii) कहीं की भूगर्भिक संरचना ऐसी होती है कि वहाँ अन्तःस्पंदन नहीं हो पाता जिससे जल बहकर व्यर्थ चला जाता है।

राजनीतिक कारण →

i) जल राज्य सूची का विषय है। अतः नदी जल को लेकर राज्यों में विवाद होता रहता है जिससे कहीं इसका दुरुपयोग किया जाता है तथा जल का राजनीतिकरण कर दिया जाता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

ii) नदी जोड़ो परियोजना' अब भी लम्बित है।

इन सभी कारणों से एक बहुत बड़े क्षेत्र में सूखे की स्थिति आ चुकी है जो हमारे पेयजल, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता को प्रभावित करेगा।

कुल मिलाकर, कहा जा सकता है कि जल संकट से निपटने के लिए जल के दुरुपयोग को कम करना, जल पर शुल्क आरोपित करना तथा जल्द से जल्द 'नदी जोड़ो परियोजना' को पूरा किया जाए जिससे हम भविष्य के लिए जल को बचा कर रख सकते हैं।

Scanned with CamScanner

VISION IAS™

20. How are plateaus formed? Also, briefly discuss the features of the Deccan plateau and its economic significance. (250 words) 15

पठार का निर्माण कैसे होता है? साथ ही, दक्कन के पठार की विशेषताओं और इसके आर्थिक महत्व की संक्षेप में विवेचना कीजिए।

~~जब क्षारीय गर्म गलित~~

पठार ऐसी संरचना को कहते हैं जिसका आधार चौड़ा, शीर्ष समतल तथा ढाल मंद हो।

जब क्षारीय गर्म गलित मैग्मा (बसाल्ट) ज्वालामुखी क्रिया के दौरान ऊपर आता है ज्वालामुखी पठार का निर्माण होता है क्योंकि क्षारीय मैग्मा में गतिशीलता अधिक होती है और परतों के रूप में जमा हो जाता है।

कई पठारों का निर्माण पर्वतों के घिसने के कारण भी होता है।

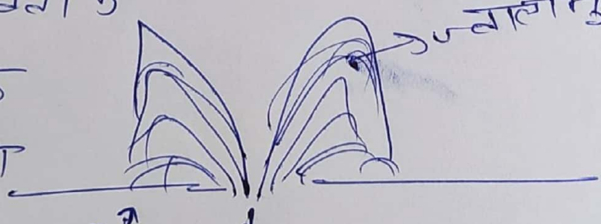

दक्कन का पठार बसाल्ट चट्टान से निर्मित पठार है जो क्रीटेशियस युग

Call us : 8468022022, 9019066066

Visit us : www.visionias.in

Scanned with CamScanner

के बाद बना —

i) इसमें काली मिट्टी पाई जाती है जो कपास की खेती के लिए उपयुक्त है।

ii) इसे रेगुर मिट्टी भी कहते हैं जो महाराष्ट्र के आस-पास पाई जाती है।

दक्कन का पठार काली मिट्टी के कारण कपास के लिए उपयुक्त है अतः यहाँ वस्त्र उद्योग का विकास अत्यधिक हुआ जो यहाँ की अर्थव्यवस्था का आधार है।